

हिंदी

पाठ-17

बाज और शौप

- 1) उसने ऐसा इसलिए कहा कि वह किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करना चाहता था। वह अपने अधिकारों के लिए लड़ना पसंद करता था।
- 2) बाज साहसी था। बाजार को जीत नहीं करना चाहता था वह अंतिम क्षण तक जी आसक्तताओं के लिए संघर्ष करना चाहता था।
- 3) जब उसने बाज के मन में आकाश के उड़ने के लिए तब देखा तब शौप के मन में भी आसक्तता जागी कि आकाश मुझ जीवन कैसा होता है? तब शौप ने उड़ने की कोशिश की।
- 4) बाज को बहादुरी पर प्रसन्न होकर लहरों ने जीत लिया था। उसने अपने प्राणों के लिए जिंदगी के खतरे का सामना करने से पीछे नहीं हटा।
- 5) शौप का शत्रु बाज है क्योंकि जो उसका आहार (जीवन) होता है। छायाल बाज उसे किसी प्रकार का ही नहीं सकता था इसलिए छायाल बाज को देखकर शौप के लिए खुश होना स्वाभाविक था।